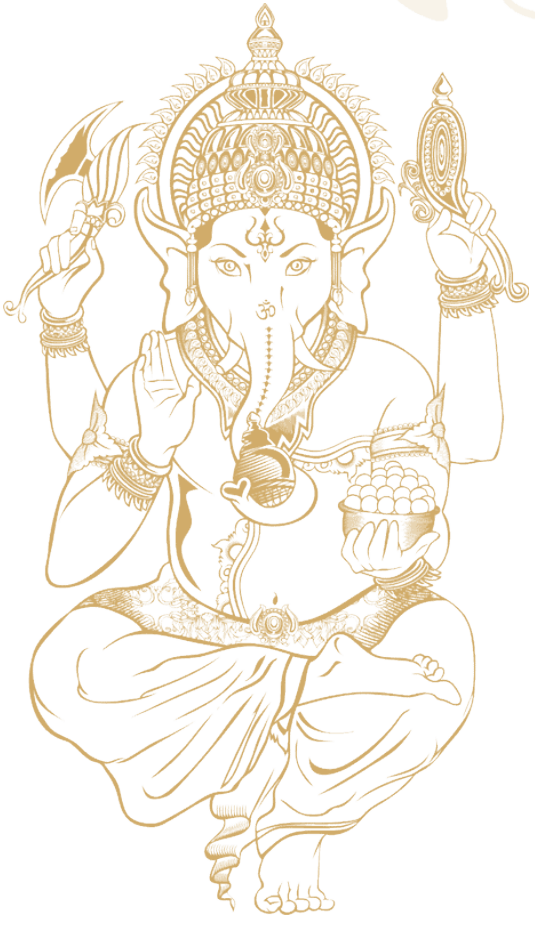

Ankita Vijya

13 Sep 1999

10:35 AM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121215304

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**13/09/1999**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**10:35:00 घंटे**
इष्ट	12:15:16 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:38:32 घंटे
वेलान्तर	00:03:50 घंटे
साम्पातिक काल	10:05:33 घंटे
सूर्योदय	05:40:53 घंटे
सूर्यास्त	18:03:50 घंटे
दिनमान	12:22:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	26:07:49 सिंह
लग्न के अंश	00:03:43 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	ब्रह्म
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	री-रीतिका
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	00:03:43	310:00:56	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	---
सूर्य			सिंह	26:07:49	00:58:25	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	स्वराशि
चंद्र			तुला	05:05:32	12:22:47	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	सम राशि
मंगल			वृश्चि	12:47:57	00:39:12	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	स्वराशि
बुध		अ	कन्या	00:12:05	01:49:10	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	उच्च राशि
गुरु	व		मेष	10:32:00	00:03:45	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	25:01:54	00:05:03	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	23:09:16	00:01:30	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु	व		कर्क	18:29:55	00:06:19	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		मक	18:29:55	00:06:19	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	19:38:30	00:01:46	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	07:59:29	00:00:57	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	14:03:46	00:00:50	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			सिंह	05:24:54	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:57

लग्न-चलित

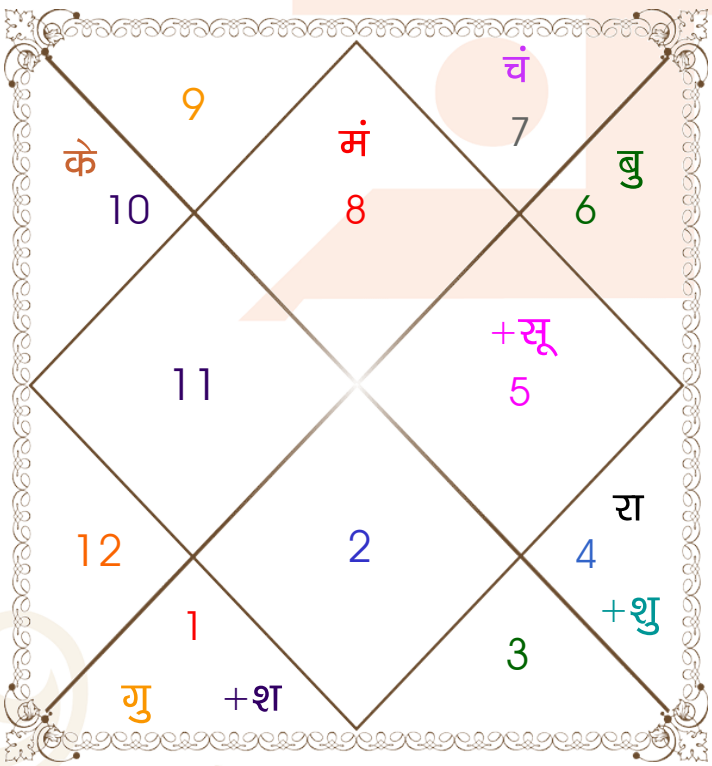

चन्द्र कुंडली

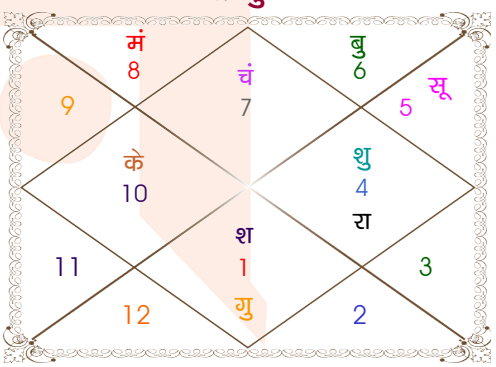

नवमांश कुंडली

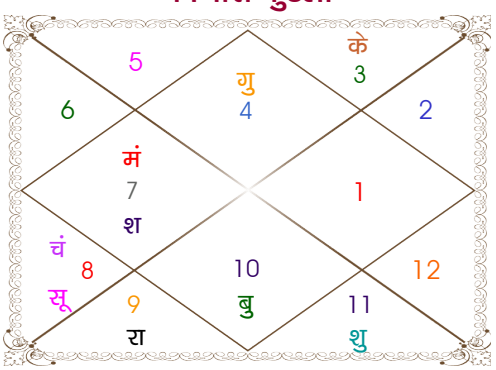

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 9 मास 27 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
13/09/1999		11/07/2000		11/07/2018		11/07/2034		11/07/2053	
11/07/2000		11/07/2018		11/07/2034		11/07/2053		11/07/2070	
	00/00/0000	राहु	24/03/2003	गुरु	29/08/2020	शनि	14/07/2037	बुध	08/12/2055
	00/00/0000	गुरु	17/08/2005	शनि	12/03/2023	बुध	23/03/2040	केतु	04/12/2056
	00/00/0000	शनि	23/06/2008	बुध	17/06/2025	केतु	02/05/2041	शुक्र	05/10/2059
	00/00/0000	बुध	10/01/2011	केतु	24/05/2026	शुक्र	02/07/2044	सूर्य	10/08/2060
	00/00/0000	केतु	28/01/2012	शुक्र	22/01/2029	सूर्य	14/06/2045	चंद्र	10/01/2062
	00/00/0000	शुक्र	28/01/2015	सूर्य	10/11/2029	चंद्र	13/01/2047	मंगल	07/01/2063
	13/09/1999	सूर्य	23/12/2015	चंद्र	12/03/2031	मंगल	22/02/2048	राहु	26/07/2065
सूर्य	11/12/1999	चंद्र	23/06/2017	मंगल	16/02/2032	राहु	29/12/2050	गुरु	01/11/2067
चंद्र	11/07/2000	मंगल	11/07/2018	राहु	11/07/2034	गुरु	11/07/2053	शनि	11/07/2070

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
11/07/2070		11/07/2077		11/07/2097		13/07/2103		12/07/2113	
11/07/2077		11/07/2097		13/07/2103		12/07/2113		00/00/0000	
केतु	07/12/2070	शुक्र	10/11/2080	सूर्य	29/10/2097	चंद्र	12/05/2104	मंगल	08/12/2113
शुक्र	07/02/2072	सूर्य	10/11/2081	चंद्र	29/04/2098	मंगल	11/12/2104	राहु	27/12/2114
सूर्य	13/06/2072	चंद्र	12/07/2083	मंगल	04/09/2098	राहु	12/06/2106	गुरु	03/12/2115
चंद्र	12/01/2073	मंगल	10/09/2084	राहु	30/07/2099	गुरु	12/10/2107	शनि	10/01/2117
मंगल	11/06/2073	राहु	10/09/2087	गुरु	18/05/2100	शनि	12/05/2109	बुध	08/01/2118
राहु	29/06/2074	गुरु	11/05/2090	शनि	30/04/2101	बुध	12/10/2110	केतु	06/06/2118
गुरु	05/06/2075	शनि	11/07/2093	बुध	06/03/2102	केतु	13/05/2111	शुक्र	06/08/2119
शनि	14/07/2076	बुध	11/05/2096	केतु	12/07/2102	शुक्र	10/01/2113	सूर्य	14/09/2119
बुध	11/07/2077	केतु	11/07/2097	शुक्र	13/07/2103	सूर्य	12/07/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 10 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकती हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकती हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगी जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखती हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझती हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगी। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगी। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगी। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करती रही तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करती हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहती है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपने पति के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगी। यद्यपि आप अपने पति के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगी। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगी। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करती हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन साथी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों का लड़का आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगा।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगी। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहती हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करती हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होती हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटी हो जाएंगी। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति की होंगी।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगी। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकती हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।